हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 3)(काका कालेलकर – हिमालय की बेटियाँ)
(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

लेख से

प्रश्न 1:
नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफी पुरानी है। लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं ?

उत्तर 1:
नदियों को मॉ मानने वाली परंपरा के देश में लेखक को गंगा और यमुना ऊपर तो दुबली –पतली बच्चियों सी लगती हैं लेकिन वही मैदान में आकर अपनी बाल सुलभ चंचलता को दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़तीं।

प्रश्न 2:
सिधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ?

उत्तर 2:
सिंधु और ब्रह्मपुत्र ये दो ऐसे नाम हैं जिनके सुनते ही एक विशाल नदी की छवि ऑखें के सामने आ जाती है अपनी इसी विशालता के कारण इसे नद की संज्ञा दी गई है । वास्तव में सिधु और ब्रह्मपुत्र स्वयं कुछ नहीं हैं। दयालु हिमालय के पिघले हुए दिल की एक–एक बूँद न जाने कब से इकट्ठा हो–होकर इन दो महानदों के रूप में समुद्र की ओर प्रवाहित होती रहती है।

प्रश्न 3:
काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है ?

उत्तर 3:
काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता इसलिए कहा है क्योंकि वे धरती के प्राणियों की रक्षा और उनका लालन–पालन एक मॉ की तरह करती हैं । प्यासी धरती जब पानी पीती है तो उसमें से उगी फसल किसान को प्रसन्न करती है और लोंगों की भूख मिटाती है ।

प्रश्न 4:
हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन–किन की प्रशंसा की है ?

उत्तर 4:
हिमालय की यात्रा में लेखक ने वहॉ से निकलने वाली नदियों बर्फीली पहाड़ियों , घाटियों , झरनों , गुफाओं वनों सागरों आदि की प्रशंसा की है ।